BULLETIN - LAKH UTPADAN KI UNNAT TAKNIKI

विस्तृत जानकारी के लिये सम्पर्क करें ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा

जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

फोन नं. :- 07741-299124

INDIRA GANDHI AGRICULTURAL UNIVERSITY
इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
RAIPUR CHHATTISGARH
रायपुर छत्तीसगढ़

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

भाकृअनुप
ICAR

लाख उत्पादन की उन्नत तकनीकी

श्रीमती स्वाति शर्मा

डॉ. बी.पी. त्रिपाठी || कु. मनीषा खापर्डे

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा

जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

2015

BULLETIN - LAKH UTPADAN KI UNNAT TAKNIKI

लाख उत्पादन का उन्नत तकनीक

लाख एक प्रकार का प्राकृतिक राल है जो कि लाख कीट के मादा की लार ग्रन्थियों के द्वारा स्त्राव फलस्वरूप बनता है पूरे विश्व में लाख की कुल नौ प्रजातियाँ पायी जाती है। परन्तु भारत में केरिया एवं पैराटेकारडिना दो ही जातियां पायी जाती है। इनमें से केरिया उप जाति की दो प्रजाति कुसमी एवं रंगीनी होती है। कुसमी एवं रंगीनी दोनो ही प्रकार की फसलें वर्ष में दो बार ली जाती है,एवं इन फसलों के तैयार होने के माह के आधार पर ही इन फसलों के नाम रखे गयें है।

लाख कीट प्रजाति	फसल	कीट संचारण	फसल- कटाई
रंगीनी	कतकी	जून- जुलाई	अक्टुबर-नवंबर
	वैशाखी	अक्टुबर-नवंबर	जून-जुलाई
कुसमी	अगहनी	जून-जुलाई	दिसंबर-जनवरी
	जेठवी	दिसम्बर-जनवरी	जून-जुलाई

लाख कीट के पोषक वृक्ष

1. पलास (*Butea Monosperme, B.Frondosa*)
2. बेर (*Zizyphus Mauritiana,Z.Jujuba*)
3. कुसुम (*Schleichera oleosa,s.Trijuga*)
4. घोंट (*Zizyphus zylopyra*)
5. जल्लारी(*Shorea talura*)
6. अरहर (*Cajanus cajan*)
7. पीपल (*Ficus religiosa*)
8. ग्रीविया (*Grewia Spp.*)
9. लिया (*Leea Spp.*)
10. बबूल(*Acacia arabica*)
11. खैर (*Acacia Catechu*)

लाख कीट पालन की अवस्थाएं

1. पेड़ों की कटाई-छँटाई
2. बीहन लाख से संचारण(इनाकुलेशन)
3. फुंकी उतारना
4. फसल कटाई
5. लाख छिलाई
6. फसल संरक्षण

1. पेड़ों की कटाई-छँटाई- पोषक पेड़ों में कोमल तथा रसदार टहनियां पाने के लिए इनकी कटाई-छँटाई एक निश्चित समय में आवश्यक है,जिससे लाख कीट का पालन आसानी से किया जा सके। विभिन्न लाख पोषक वृक्षों के लिए कांट -छांट का उपयुक्त समय निम्नानुसार है।

पोषक वृक्ष	फसल चक्र	काट-छाँट का समय
कुसुम	अगहनी	दिसंबर-जनवरी
	जेठवी	जून-जुलाई
पलास	वैशाखी	अप्रेल-मई
	कतकी	अप्रेल-मई
बेर	अगहनी	जनवरी-फरवरी

2.बीहन लाख से संचारण (इनाकुलेशन)- लाख कीट पोषक पौधों के डंठलो में रहते है।जिनसे शिशु कीट निकलते है,इन डंठलो को बीहन लाख कहते है,परिपक्व मादा लाख कीटों से निकल रहे शिशु कीटों को पोषक वृक्ष की टहनियों पर फैलाने की क्रिया को कीट संचारण कहते है। लाख कीट को पोषक पेड़ो पर संचारित करने के लिये बीहन लाख की6 से9 इंच लंबी,3 से 4 डठलों(मोटाई अंगूठे के बराबर) का बंडल बनाकर 60 मेश की नाइलोन जाली के थैले में भरकर टहनियों के समानान्तर ऊपर की ओर बांध देते है।

3.फुंकी उतारना- बीहन लाख में शिशु कीट निकल जाने के बाद बंधी लाख डंठलों को फुंकी कहते है, फुंकी को पेड़ों से उचित समय पर उतार लेना चाहिए अन्यथा इनमें विद्यमान शत्रु कीट नई पीढ़ी की फसल पर आक्रमण करना शुरू कर देते है।

4.लाख फसल की कटाई- रंगीनी लाख की ग्रीष्मकालीन (बैशाखी)और वर्षा कालीन कतकी फसल,संचारण के क्रमशः 8 और 4 महिने बाद परिपक्व हो जाते है। इसी प्रकार कुसमी की ग्रीष्मकालीन जेठवी और शीतकालीन अगहनी फसल क्रमशः जून-जुलाई और जनवरी-फरवरी में तैयार हो जाती है। लाख फसल के पूर्ण रूप से परिपक्व होने पर कटाई करना चाहिए ,लाख फसल के पूर्ण रूप से परिपक्व न होने की दशा में कभी-कभी लाख फसल की कटाई शीघ्र लाभ के लिए किया जाता है इस अपरिपक्व लाख को अरी लाख कहते है।

5. लाख छिलाई - टहनियों से लाख निकालने की प्रक्रिया को लाख छिलाई कहते हैं । लाख छिलाई परम्परागत रूप से चाकू-छूरी की सहायता से किया जाता है । वर्तमान में हस्त एवं पावर चलित मशीन भी उपलब्ध हैं । लाख छिलने के पश्चात हवादार कमरे में फैलाकर रखें ।

6.फसल संरक्षण -लाख के शत्रु कीट एवं उनकी रोकथाम

अ. काली तितली एवं सफेद तितली की रोकथाम के लिए एन्डोसल्फान 35ई.सी. 0.05 प्रतिशत घोल का पहला छिड़काव बीहन लाख संचारण के लगभग एक महीने बाद करें एवं आवश्यकता पड़ने पर दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के एक महीने बाद करें।

ब. क्राइसोपा(हरा पतंगा) के रोकथाम के लिए नुवान0.03 प्रतिशत घोल बनाकर लाख कीट संचारण के डेढ़ माह बाद छिड़काव करें ।

स. फफूंद का आक्रमण होने पर कार्बेन्डाजिम या बाविस्टिन नामक फंफूद नाशक दवा के 0.01 प्रतिशत घोल बनाकर कीट संचारण के एक माह बाद पहला छिड़काव करें व बाद के छिड़काव 3-3 सप्ताह के अंतराल में करें।